समाचार व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करे
मुबारक खान
सम्पादक
मो. 9214839374

RNI Title Code : RAJBIL27060

फतेह एक्सप्रेस

राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक समाचार पत्र

सुविचार
आवाज ऊंची होगी तो कुछ लोग ही सुनेंगे,
लेकिन अगर बात ऊंची होगी तो बहुत लोग सुनेंगे।

वर्ष 01 | अंक : 04 | अजमेर, 10 फरवरी, 2024 | मूल्य ₹ 4 | पृष्ठ-4

'भारत नहीं करता किसी भी देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप'

विदेश मंत्रालय की कनाडा को खरी-खरी

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच जारी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में कनाडा ने भारत पर आरोप लगाया था कि नई दिल्ली उसके यहां होने वाले चुनावों में हस्तक्षेप कर सकता है। वहीं, कनाडा द्वारा भारत पर लगाए गए इन सभी आरोपों पर विदेश मंत्रालय ने खारिज करते हुए कनाडा को खरी-खरी सुनाया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने क्या कहा?

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कनाडा के चुनावों में भारतीय हस्तक्षेप को निराधार करार देते हुए खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कनाडा उल्टा भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने विदेशी हस्तक्षेप की जांच कर रहे कनाडाई आयोग के बारे में मीडिया रिपोर्ट देखी हैं।

हस्तक्षेप की जांच कर रहा संघीय आयोग

मालूम हो कि कनाडा स्थित सीटीवी न्यूज ने बताया कि विदेशी हस्तक्षेप की जांच के लिए कनाडा का संघीय आयोग देश के पिछले दो आम चुनावों में भारत द्वारा कथित हस्तक्षेप की जांच करना चाहता है। आयोग ने एक बयान में कहा कि उसने संघीय सरकार से इन आरोपों से संबंधित दस्तावेज पेश करने को कहा है। सीटीवी न्यूज के मुताबिक, आयोग की अंतरिम रिपोर्ट 3 मई को आने वाली है, और अंतिम रिपोर्ट साल के अंत तक आने की उम्मीद है।

मालूम हो कि यह पहली बार नहीं है, जब कनाडा ने भारत पर इस तरह का आरोप लगाया है। इससे पहले कनाडा ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था। भारत ने इस मामले को भी खारिज करते हुए साक्ष्य देने को कहा था।

कनाडा कर रहा है हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप

उन्होंने कहा कि हम कनाडा के चुनावों में भारतीय हस्तक्षेप के ऐसे निराधार आरोपों को सिरे से खारिज करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की लोकतांत्रिक प्रक्रि या में हस्तक्षेप करना भारत सरकार की नीति नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि कनाडा इसके विपरीत हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है।

अब इंटर्नशिप करना हुआ अनिवार्य...मिलें गे क्रेडिट अंक

अजमेर. यूजीसी कोर्स में दाखिला लेने वाले युवाओं को अब कमाई के साथ ही शोध और इटर्नशिप करने का मौका मिलेगा।

इसके लिए उन्हें क्रेडिट अंक भी दिए जाएंगे। यूजीसी ने इसे लेकर सभी यूनिवर्सिटी और कॉलेज को पत्र भेजवा दिया हैं।

यूजीसी के सचिव प्रो. मनीष जोशी के आदेशानुसार, कॉलेज और यूनिवर्सिटी में यूजी स्तर पर पढ़ाई के साथ-साथ इंटर्नशिप की शुरुआत होगी।

नोडल अधिकारी को शोध व इंटर्नशिप के लिए संस्थानों का चयन करना होगा। जिसमे स्थानीय उद्यम, लोक कला, बिजनेस हाउस, औद्योगिक समूह, और अन्य को शामिल किया जाएगा।

असल में है क्या यूसीसी और क्या बदल जाएगा इससे; कोर्ट भी कर चुका पैरवी, 9 देशों में लागू

नई दिल्ली। समान नागरिक संहिता लागू होने से आम लोगों के विवाह, तलाक, संपत्ति, उत्तराधिकार जैसे कानूनों में एकरूपता आ जाएगी। जैसे अभी अपराधिक कानून धर्म, लिंग, क्षेत्र के भेदभाव के बिना सब पर एक समान लागू होते हैं, इसी तरह अब नागरिक कानून में भी यह समानता कायम हो जाएगी। जबकि अभी नागरिक कानूनों में धर्म और लिंग के आधार पर काफी असमानताएं हैं।

देहरादून के सीनियर एडवोकेट संजीव शर्मा के मुताबिक देश में दो तरह की संहिता है एक अपराधिक संहिता जिसे सामान्य भाषा में आईपीसी के नाम से जाना जाता है, जबकि दूसरी तरफ निजी कानून हैं, जिन्हें पर्सनल लॉ कहा जाता है। पर्सनल लॉ में हिंदू मैरिज ऐक्ट, आनंद कारज ऐक्ट, मुस्लिम लॉ प्रमुख तौर पर शामिल हैं, पर्सनल लॉ शादी, तलाक, उत्तराधिकार, गोद, संरक्षण जैसी गतिविधियों को नियमित करते हैं, यह अपने-अपने धर्म के अनुसार सब पर अलग - अलग लागू होते हैं।

देहरादून के एक और सीनियर एडवोकेट गौरव शर्मा के मुताबिक, अपराधिक कानून के तहत देश के सभी राज्यों में सभी नागरिकों के लिए चोरी की एक बराबर सजा है। जबकि पर्सनल लॉ में धर्म के आधार पर काफी असमानता है। उदाहरण के तौर पर मुस्लिम व्यक्ति को एक से अधिक विवाह का अधिकार हासिल है, जबकि हिंदू मैरिज ऐक्ट एक से अधिक विवाह पर सख्ती से रोक लगाता है। इसी तरह तलाक के अधिकार भी धर्मों के आधार पर अलग -अलग हैं। पर्सनल लॉ आमतौर पर पुरुषों के हक में झुके हुए हैं, इस कारण भी अब समय के साथ इनमें बदलाव की मांग होती रही है। इस तरह अब समान नागरिक संहिता लागू हो जाने से बाद सभी धर्मों के पर्सनल लॉ में भी एक रूपतता आ जाएगी। यानि शादी, तलाक, उत्तराधिकार, गोद, सम्पत्ति के अधिकारों में धार्मिक आधार पर असमानता दूर हो जाएगी।

अदालत कर चुकी है पैरवी

सबसे पहले 1973 में केशवानंद भारती बनाम केरल सरकार में सुप्रीम कोर्ट ने यूसीसी के पक्ष में टिप्पणी की। इसके बाद मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम, सरला मुदगल बनाम यूनियन ऑफ इंडिया, शबनम हाशमी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया, शायरा बानो बनाम यूनियन ऑफ इंडिया जैसे अनेकों याचिकाओं की सुनवाई के दौरान भी कोर्ट की इस पर सकारात्मक टिप्पणियां आई हैं।

नेपाल समेत नौ देशों में समान नागरिक संहिता लागू

भारत के पड़ोसी देश नेपाल समेत दुनिया के 9 मुल्कों में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू है। यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने वाली पांच सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट में इसका जिक्र किया है। रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब, तुर्की, इंडोनेशिया, नेपाल, फ्रांस, अजरबैजान, जर्मनी, जापान और कनाडा में यूसीसी लागू है। अब जल्द ही भारत में उत्तराखंड ऐसा राज्य होगा जहां यूसीसी लागू होगा। दरअसल, उत्तराखंड में अभी इस कानून को लागू करने में कुछ औपचारिकताएं बाकी हैं। मंगलवार को विधानसभा के पटल पर विधेयक पेश होने के बाद अब इसे पारित होने के पश्चात राजभवन की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा और फिर राष्ट्रपति का अनुमोदन लिया जाएगा।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर लगाम कसना रेग्युलेशन नॉम्स के लगातार गैर-अनुपालन का परिणाम - आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट बैंक पर 31 जनवरी 2024 को बैन लगाया था। तब से हर कोई यही जनना चाहता है कि आखिर अब पेटीएम का क्या होगा। 29 फरवरी के बाद पेटीएम बंद तो नहीं हो जाएगा? भारतीय रिजर्व बैंक ने आज अपनी मौद्रिक नीति के ऐलान के बाद पेटीएम पर भी कई बातें कही। भारतीय रिजर्ब बैंक ने कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर लगाम कसना रेग्युलेशन नॉम्स के लगातार गैर-अनुपालन का परिणाम था।

वहीं आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक की निगरानी की जा रही है और आगे बढ़ने के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे। मीडिया को संबोधित करते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने भी कहा कि उल्लंघन की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्ब बैंक कोई भी कार्रवाई सिस्टमेटिक स्टेबिलिटी, ग्राहकों के हितों की सुरक्षा के सर्वोत्तम हित में करता है.

पीटीएम मुद्दे पर क्या बोले आरबीआई गवर्नर?

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बिना नाम लिए कहा कि अगर सभी चीजों का अनुपालन किया गया होता, तो केंद्रीय बैंक किसी विनियमन वाली इकाई के खिलाफ कार्रवाई क्यों करता. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पेटीएम मामले को लेकर व्यवस्था के बारे में चिंता की कोई बात नहीं, हम केवल भुगतान बैंक की बात कर रहे हैं. गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि हमारा जोर हमेशा आरबीआई के नियामकीय दायरे में आने वाली इकाइयों के साथ द्विपक्षीय गतिविधियों पर होता है, हमारा फोकस इकाई को सही कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने पर होता है. उन्होंने कहा कि जब बैंक और एनबीएफसी प्रभावी कदम नहीं उठाते हैं तो हम कारोबार से संबंधित पाबंदियां लगाते हैं. उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार नियामक होने के नाते व्यवस्था के स्तर पर स्थिरता या जमाकर्ताओं अथवा ग्राहकों के हितों के संरक्षण को ध्यान में रखकर ही हम कदम उठाते हैं.

कब उठाते हैं बैन लगाने संबंधी कदम, आरबीआई ने बताया

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि आरबीआई पेटीएम को लेकर की गई कार्रवाई के बारे में लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए अगले हफ्ते एफएक्यू (बार-बार पूछे जाने वाले सवाल) जारी करेगा, क्यों कि लोगों को कआ सवाल उनको मिले हैं. गवर्नर ने कहा कि जब कंस्ट्रक्टिव जुड़ाव काम नहीं आता तो हम व्यावसायिक प्रतिबंध लगाने संबंधी कदम उठाते हैं। बता दें कि आरबीआई ने पिछले हफ्ते नियमों का अनुपालन न करने का हवाला देते हुए पेटीएम पेमेंट्स बैंक को मार्च से अपने खातों या डिजिटल वॉलेट में नई जमा स्वीकार करना बंद करने का आदेश दिया था।

चेन्नई के स्कूलों को बम से उड़ाने की मिली धमकी, ईमेल के जरिए भेजा गया संदेश

चेन्नई। चेन्नई के कुछ निजी स्कूलों को गुरुवार को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली। पुलिस ने इसकी जानकारी दी और लोगों से नहीं घबराने की अपील की है। हालांकि, इस घटना के बाद माता-पिता अपने बच्चों को स्कूलों से लाने के लिए खुद स्कूल तक जाने को मजबूर हो गए हैं। जानकारी के अनुसार बताया गया कि शहर के कम से कम चार स्कूलों को ईमेल से धमकी जारी करने के लिए जिम्मेदार अपराधी का पता लगाने के प्रयास जारी हैं, पुलिस ने कहा कि बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) को स्कूलों में भेजा गया है।

ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने बम की जानकारी देते हुए बताया कि ग्रेटर चेन्नई पुलिस सीमा के कुछ शैक्षणिक संस्थानों में बम की धमकी वाले ई-मेल प्राप्त हुए हैं। जीसीपी/बीडीडीएस टीमों को इन शैक्षणिक संस्थानों में जांच के लिए भेजा गया है और इन ई-मेल भेजने वाले अपराधी की पहचान करने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

यूपीए के शासन में रुपये में भारी गिरावट, संकट में अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में 'भारतीय अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र' पेश किया। वित्त मंत्री अपने अंतरिम बजट भाषण में घोषणा की थी कि सरकार 2014 तक यूपीए शासन के 10 वर्षों में आर्थिक कुप्रबंधन को रेखांकित करते हुए अर्थव्यवस्था पर एक श्वेत पत्र लाएगी। लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश 'भारतीय अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र' में कहा गया कि यूपीए सरकार को अधिक सुधारों के लिए तैयार एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था विरासत में मिली, लेकिन अपने 10 वर्षों में इसे निष्क्रि य बना दिया गया। 2004 में जब यूपीए सरकार का कार्यकाल शुरू हुआ था, तो भारतीय अर्थव्यवस्था आठ प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रही थी।

श्वेत पत्र में कहा गया कि यूपीए के शासनकाल में निवेशक विदेश चले गए। साथ ही उस दौरान बैंकिंग सेक्टर घाटे में चल रहा था। राजकोषीय घाटे से अर्थव्यवस्था संकट में था।

प्रशासन ने की बाढ़ बचाव की मॉक ड्रिल

अजमेर. फॉयसागर झील में मंगलवार को मवेशी और ग्रामीण 'डूब' गए। सूचना मिलते ही प्रशासन में हड़कम्प मच गया। जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित आला अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन दल, नागरिक सुरक्षा एवं प्रशासन का संयुक्त बाढ़ बचाव मॉक ड्रिल के दौरान यह नजारा रहा। जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने बताया कि बाढ़-तूफान जैसी प्राकृतिक आपदा को लेकर संयुक्त मॉक ड्रिल फायसागर झील पर की गई। राष्ट्रीय आपदा मोचन दल, राज्य आपदा मोचन दल, नागरिक सुरक्षा, राष्ट्रीय कैडेट कोर, स्काउट, होमगार्ड, पुलिस विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम और अन्य महकमों की ड्रिल में भागीदारी रही।

सम्पादकीय

क्या कारगर साबित होगा परीक्षा में गड़बड़ी रोकने का बिल

प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल, पेपर लीक और दूसरी गड़बड़ियां रोकने के लिए लाया गया लोकपरीक्षा (अनुचित साधन रोकथाम) विधेयक 2024 में एक गंभीर समस्या से निपटने की कोशिश की गई है। यह विधेयक मंगलवार को लोकसभा से पारित हो गया और अब इसे राज्यसभा में पेश किया जाना है। लोकसभा में इस पर बहस के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष का जो रचनात्मक रुख रहा और जिस तरह की स्वस्थ बहस इस पर हुई, उसकी भी तारीफ की जानी चाहिए।

परीक्षाओं में अनियमितता: पिछले कुछ वर्षों में सरकारी नियुक्तियों के लिए होने वाली परीक्षाओं में गड़बड़ियों का जैसे ट्रेंड ही चल पड़ा है। बड़ी संख्या में युवा दिन-रात मेहनत करके इन परीक्षाओं में शिरकत करते हैं और फिर पेपर लीक या अन्य गड़बड़ियों की वजह से परीक्षाएं रद्द हो जाती हैं। सिर्फ पिछले साल की बात की जाए तो राजस्थान में शिक्षक नियुक्ति परीक्षा, हरियाणा में ग्रुप डी पदों के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट, गुजरात में जूनियर क्लर्क नियुक्ति परीक्षा और बिहार में कॉन्स्टेबल नियुक्ति परीक्षा इनमें शामिल हैं।

संगठित अपराध : जिस निरंतरता से और जितने बड़े पैमाने पर परीक्षाओं में गड़बड़ियां देखी जा रही हैं, उससे यह संदेह होना स्वाभाविक है कि इसके पीछे कुछ संगठित गिरोहों का हाथ है, जिनकी सिस्टम के अंदर तगड़ी घुसपैठ है। ऐसे में इसे रोकने के लिए निश्चित रूप से बड़े प्रयासों की जरूरत है।

सख्त सजा : विधेयक में जिस तरह के कड़े प्रावधान किए गए हैं, वे सामान्य नहीं हैं। इनके अपने फायदे-नुकसान हो सकते हैं। हालांकि अच्छी बात यह है कि स्कूल-कॉलेजों की सामान्य परीक्षाओं को इससे बाहर रखा गया है और जो परीक्षाएं शामिल हैं उनमें भी स्टूडेंट्स और कैंडिडेट्स इस विधेयक के दायरे में नहीं हैं। फिर भी, ये प्रावधान इतने कड़े हैं कि इन पर अमल में विशेष सावधानी रखने की जरूरत है। इनका दुरुपयोग कई स्तरों पर खासा नुकसानदेह साबित हो सकता है।

कानून से आगे : मौजूदा हालात में इस समस्या के लिए नया कानून लाने के अपने तर्क हैं जो खारिज नहीं किए जा सकते। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह काफी होगा? ध्यान में रखने की बात है कि जिन कार्यों और गतिविधियों को इस बिल में कवर किया जा रहा है, वे पहले से दंडनीय अपराध हैं और उनके लिए कानून की अलग-अलग धाराएं पहले से मौजूद रही हैं। इसके बावजूद अगर इतने लंबे समय तक और इतने बड़े पैमाने पर धांधलियां चलती रही हैं तो वह सिर्फ कानून की कमी के चलते नहीं हुआ है। उसके पीछे कुछ न कुछ भूमिका कानून लागू करने की जिम्मेदारी निभा रहे लोगों और एजेंसियों की भी निश्चित रूप से रही है। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि इस नए कानून के आने के बाद इसे लागू किस तरह से करवाया जाता है और यह वास्तव में कितना कारगर साबित होता है।

सिद्धांतों से नहीं किया कभी समझौता

पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी भले ही प्रधानमंत्री पद तक न पहुंचे हों लेकिन अपनी शुचिता और सिद्धांतों के बूते भारतीय राजनीति में आडवाणी ने अपनी जो पहचान बनाई। 1996 में 'हवाला डायरी' का किस्सा तो सभी जानते हैं कि आडवाणी ने सिर्फ इसलिए लोकसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया, क्योंकि उनके नाम का संकेत करने वाले कुछ शब्द उस डायरी में पाए गए थे। हालांकि उस वक्त आडवाणी की तरह ही कई और दलों के नेताओं के नाम भी थे लेकिन आडवाणी ही ऐसे राजनेता थे, जिन्होंने ऐलान किया कि जब तक वे निर्दोष साबित नहीं होंगे, वे चुनाव नहीं लड़ेंगे।

ऐसा नहीं कि सार्वजनिक जीवन में उन्होंने शुचिता का पालन किया बल्कि व्यक्तिगत जीवन में भी

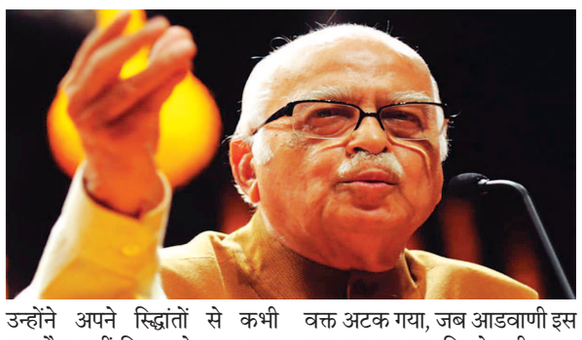

उन्होंने अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। ये बहुत कम लोगों को मालूम है कि जब उन्हें दिल्ली में अपना एक प्लान बेचने की नौबत आयी तो उस वक्त भी उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर वित्तीय घाटा तो उठाया लेकिन सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। दरअसल, दिल्ली के प्रीत विहार में उनका प्लाट था। कुछ वित्तीय जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए आडवाणी को ये प्लॉट बेचना पड़ा। लेकिन मामला उस वक्त अटक गया, जब आडवाणी इस बात पर अड़ गए कि वे वही रकम लेंगे, जो रजिस्ट्री में निर्धारित होगी। दरअसल, जब प्रापर्टी बिकती है तो उस पर खरीददार टैक्स कम देने के लिए रजिस्ट्री में प्रापर्टी की कीमत कम दिखाकर बाकी हिस्सा कैश देता है। लेकिन आडवाणी इसके लिए तैयार नहीं हुए। दिल्ली के कुछ नेताओं ने आडवाणी को समझाने की कोशिश की कि पूरी वाइट रकम की जिद की तो शायद प्लॉट की पूरी कीमत न मिले। लेकिन आडवाणी अड़े रहे। नतीजा ये हुआ कि उस प्लॉट की जो रकम उन्हें मिल सकती थी, उससे लगभग 30 लाख रुपये उन्हें कम मिले। लेकिन इसके बावजूद अपने सिद्धांत पर अड़े रहे।

दिल्ली से सांसद रमेश बिधूड़ी के मुताबिक आडवाणी चाहे पार्टी अध्यक्ष रहे, सांसद या फिर उपप्रधानमंत्री, उनका अपने कार्यकर्ताओं के साथ संबंधों पर कभी कोई असर नहीं दिखा। बिधूड़ी के मुताबिक जब वे उप प्रधानमंत्री बने तो वे गुर्जर समुदाय के लोगों के साथ उनका सम्मान करना चाहते थे। किसी तरह मान मनौव्वल से आडवाणी तैयार हो गए। आडवाणी को बताया गया कि 60 से 70 लोग ही होंगे लेकिन सम्मान वाले दिन सात सौ से अधिक लोग पहुंच गए। इतनी भीड़ देख आडवाणी, बेहद नाराज हो गए और कार्यक्रम को कुछ देर लेट कर दिया। बाद में पता चला कि आडवाणी नहीं चाहते थे कि उनके घर जो लोग भी आए हैं, वे बिना चाय पानी लिए वापस जाएं। लिहाजा कार्यक्रम लेट कराकर उन्होंने इस बीच पहले चाय पानी का इंतजाम कराया और फिर कार्यक्रम शुरू करने की इजाजत दी। संसदीय कार्यों को लेकर उनकी गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सांसद रहते हुए वे नियमित तौर पर न सिर्फ संसद पहुंचते बल्कि पूरा समय वे सदन में रहते और संसदीय कार्य में रुचि भी लेते। लेकिन जब वे नियम टूटते देखते तो कई बार नाराज भी होते और अपनी नाराजगी छिपाते भी नहीं थे। दिसंबर 2016 की बात है, उस वक्त नोटबंदी को लेकर लोकसभा में विपक्ष का हंगामा चल रहा था। कुछ दिन की इस स्थिति के बाद जब एक दिन फिर से सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित हुई तो आडवाणी ने वहां तैनात कर्मचारी से पूछा कि कितने बजे तक के लिए स्थगित ? कर्मचारी ने बताया कि दो बजे तक के लिए। इस पर नाराज आडवाणी तुरंत बोले, अनिश्चतकाल तक के लिए क्यों नहीं ?' उन्हें नाराज होता देख उस वक्त के संसदीय कार्यमंत्री अनंत कुमार उनके नजदीक आए और उन्हें शांत करने की कोशिश की लेकिन आडवाणी शांत होने की बजाए, बोले कि हंगामा करने वालों का वेतन क्यों नहीं काटा जाता। हालांकि कुमार ने मीडिया गैलरी को इशारा करके आडवाणी को शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि उनकी बात को मीडिया रिपोर्ट कर सकता है। लेकिन आडवाणी नहीं रुके, उन्होंने कहा कि हंगामा करने वालों का वेतन कटना ही चाहिए।

अंग्रेजी के ज्ञान के बगैर आरक्षण है बेकार

क्या होता इंडिया का आंबेडकर के बगैर? इसको समझने के लिए पाकिस्तान की कहानी देख लें। पूर्वी पाकिस्तान यानी वर्तमान बांग्लादेश पाकिस्तान का एक प्रांत था। पर पाकिस्तान के संविधान में वह गहराई नहीं थी। उसने अपना एक हिस्सा वर्ष 1971 में खो दिया। ध्यान रहे, पाकिस्तान का निर्माण ही धर्म के आधार पर हुआ था, पर मुस्लिम बहुल पूर्वी पाकिस्तान विद्रोह कर अलग देश बन गया। इसके बरक्स अपने देश की कहानी देखें। एक अरब 25 करोड़ की आबादी वाले देश इंडिया में 29 राज्य और सात केंद्रशासित प्रदेश हैं, पर इंडिया का संघीय ढांचा बरकरार है। यह एक मजबूत राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ता जा रहा है। जितना बहुभाषी, बहुधार्मिक, बहुजातीय इंडिया है, उतना दुनिया का कोई भी देश नहीं। अमेरिका में जरूर 50 राज्य हैं, पर सभी अंग्रेजीभाषी हैं।

इंडिया की एकता और अखंडता को हमारे संविधान ने बचा कर रखा है। अब इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि हमारा संविधान विश्व में श्रेष्ठतम है। भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर की सबसे बड़ी चिंता यही थी कि इंडिया की एकता, अखंडता किस तरह सदैव बनी रहे। इसका उत्तर उन्हें मिला फेडरलिज्म में। एक ऐसा संघीय ढांचा, जिसमें छोटे से छोटा राज्य भी अपने को सहज रख सके, बड़े राज्यों से डरे नहीं। बाबा साहेब इस कार्य में सफल रहे।

इंडिया को श्रेष्ठतम संविधान देने के लिए डॉ. आंबेडकर ने विश्व के कुछ श्रेष्ठ संविधानों का अध्ययन किया, स्वयं अपनी विद्वता का इस्तेमाल किया और अंततः कभी भी फेल न होने वाला संविधान बना डाला। कल्पना करें, क्या होता यदि डॉ. आंबेडकर अंग्रेजी भाषा न जानते! उच्च शिक्षा के लिए डॉ. आंबेडकर जुलाई 1913 में न्यू यॉर्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय पहुंचे। बहुत कम समय में ही उन्होंने अपने सहपाठियों और प्रफेसरों को प्रभावित करना शुरू कर दिया। आंबेडकर के प्रफेसर्स, खासकर प्रफेसर जॉन डिवे, जेम्स शॉटवेल और सेलिमेन उनकी इंग्लिश से हैरान थे कि एक गैर अंग्रेजीभाषी देश के नागरिक को इतनी अच्छी इंग्लिश कैसे आती है।

जाहिर है, आंबेडकर की विजय यात्रा में इंग्लिश पर मास्टरी एक जरूरी कदम था। इसीलिए डॉ. आंबेडकर ने इंग्लिश को शेरनी का दूध बताया तथा दलितों से इंग्लिश अपनाने का आह्वान किया। इंग्लिश को नैशनल लिंक लैंग्वेज बनाने की मांग करने वाले पहले राष्ट्रीय नेता आंबेडकर ही थे। भारत की एकता, अखंडता को बनाए रखने में संविधान के बाद सबसे बड़ी भूमिका इंग्लिश की और फिर इंग्लिश बोलने वालों की है। इंग्लिश का असर दलित समाज पर भी साफ दिखता है। किसी भी अमेरिकी यूनिवर्सिटी में जाइए, वहां दलित छात्र मिल ही जाते हैं। ढेर सारे दलित अधिकारी जीवन भर की कमाई का काफी बड़ा हिस्सा खर्च कर अपने बच्चों की पढ़ाई विदेशों में करा रहे हैं। वे आरक्षण का त्याग कर रहे हैं और ओपन कैटिगरी में प्रतियोगिता के जरिए अपनी जगह बना रहे हैं। जाहिर है, अमेरिका में पढ़ाई करने के लिए पैसों से भी ज्यादा जरूरी है इंग्लिश भाषा का ज्ञान होना।

पर क्या जाट, गुर्जर, पटेल और कापू जैसी जातियों में भी इंग्लिश को वही स्थान प्राप्त है जो इसे दलितों के बीच हासिल है? उपर्युक्त चार जातियों का जिक्र इसलिए किया जा रहा है क्योंकि ये आरक्षण की मांग कर रहे हैं। उत्तर भारत के जाट और गुर्जर, गुजरात के पटेल और आंध्र प्रदेश के कापू मूलतः शूद्र हैं। अतः जाट, गुर्जर, पटेल और कापू भी ओबीसी में आते हैं, क्योंकि इनकी सामाजिक चेतना और व्यवसाय ओबीसी जातियों की ही तरह है। कभी इनका भी सामाजिक शोषण हुआ है, हिंदू समाज की शोषण-श्रृंखला में ये भी निचले पायदान पर आते हैं। लेकिन इंग्लिश को लेकर इन चारों जातियों और समूचे ओबीसी समाज का रुख हैरान करने वाला है।

ओबीसी समाज के सबसे बड़े नेता राम मनोहर लोहिया हुआ करते थे। उन्होंने उत्तर भारत में एक बहुत बड़ा आंदोलन चलाया था जिसे 'अंग्रेजी हटाओ' का नाम दिया गया था। साठ के दशक में इस आंदोलन ने उत्तर भारत को काफी प्रभावित किया। इसके कारण ओबीसी परिवारों में इंग्लिश के प्रति अनादर पैदा हुआ। इसका नुकसान यह समाज आज तक भुगत रहा है।

ग्लोबलाइजेशन यानी भूमंडलीकरण एक सच्चाई है। दुनिया का कोई भी देश इससे अलग नहीं रह सकता। भूमंडलीकरण की एक भाषा है, जिसे इंग्लिश कहते हैं। चीन, जापान, फ्रांस और जर्मनी जैसे महान देशों में इंग्लिश जानने की होड़ मची है। व्यापार, मैन्यूफैक्चरिंग, शोध और शासन-प्रशासन की भाषा इंग्लिश ही है। एक अध्ययन आधारित निष्कर्ष यह है कि वर्ष 2050 तक इंग्लिश न जानने वाला व्यक्ति गूंगा-बहरा जैसा बन जाएगा। ऐसी स्थिति में इंग्लिश जाने बगैर जाट या समूचा ओबीसी समाज आरक्षण का क्या उपयोग कर पाएगा?

एक बेहतर इंडिया के लिए यह जरूरी है कि सारे इंडियन इंग्लिश पढ़ने-पढ़ाने का व्रत लें। खासकर आरक्षण का लाभ ले रही सभी जातियों को वैसे ही अंग्रेजी अपनानी चाहिए जैसे दलित जातियां अपना रही हैं। जो जातियां दलितों की तरह अंग्रेजी को नहीं अपना रही हैं, उन्हें आरक्षण छोड़ देना चाहिए। जो जातियां आरक्षण की मांग कर रही हैं लेकिन अंग्रेजी अपनाने की ओर नहीं बढ़ रहीं, उन्हें अपनी मांग छोड़ देनी चाहिए। जो भी डॉ. आंबेडकर की जुबान अपनाएगा, वह आंबेडकर की तरह ही सितारों-सा चमचमाएगा।

हैल्थ

Not Able To Swallow After Stroke? Know Ways To Overcome Dysphagia

Life is not easy to manage after you have had a stroke. It is an extremely serious medical condition that impacts millions of people across the world. Stroke has an impact on the patient's physical and mental health with many people not able to get back to their normal lives.

According to research, stroke is the third leading cause of death and the sixth leading cause of disability in India. This translates to a lack of knowledge about the life-threatening condition and its symptoms and, consequently, an inability to be ready for it when a stroke happens. 1

What is dysphagia?

Experts say one of the after-effects of stroke is not being able to swallow or a condition known as dysphagia. Dysphagia causes difficulty controlling the oral muscles responsible for swallowing..

"The inability to manage this essential function highlights the significance of specific interventions and support in stroke rehabilitation. Addressing these challenges is crucial to ensuring the safety and well-being of individuals coping with post-stroke swallowing issues," Dr. Gaurish Kenkre, General Manager and

head of Atharv Ability-Neuro Rehabilitation Center told Times Now.

Dr. Kenkre said if not taken seriously, dysphagia can cause complications like aspiration pneumonia, which occurs when food or drink is accidentally inhaled and causes infection in the lungs.

What Causes Dysphagia After Stroke?

According to doctors, dysphagia is characterized by impaired control over the muscles in the throat responsible for swallowing.

It is caused by caused by the neurological impact of the stroke. When a stroke damages the part of the.

brain that controls your throat muscles, your brain is not able to send correct signals to those muscles,

resulting in your inability to control the muscles necessary for swallowing.

Doctors say survivors with dysphagia may require alternative means of feeding like consuming soft foods or, in severe cases, a feeding tube.

Ways to improve dysphagia

However, dysphagia can improve within two weeks after stroke for most survivors with the help of rehabilitation. "Rehabilitation and therapy are essential for recovery after a stroke. Besides traditional therapies, new technologies like robots, virtual reality, and special brain stimulation techniques have been proven to help accelerate recovery," Dr. Kenkre added.

Also, a few other ways to try out are using motor-specific rehabilitation methods which makes swallowing skills easier and more efficient, leading to improved nutrition and quality of life.

Doctors also recommend working with a speech-language pathologist who will be able to assess your unique condition and create an effective rehabilitation program for you.

The expert can also help by assigning you various swallowing exercises which may not involve the direct

act of swallowing but train the oral muscles in the mouth to help improve oral motor control.

मनोरंजन जगत

प्रेग्नेंट हैं यामी गौतम, इस महीने में कर सकती हैं पहले बच्चे का स्वागत

आर्टिकल 370 एक्ट्रेस यामी गौतम के घर जल्द ही किलकारियां गूंजने वाली हैं। फिल्ममेकर आदित्य धर और यामी गौतम शादी के तीन साल बाद अपने पहले बेबी का स्वागत करने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबर को खुद आर्टिकल 370 के ट्रेलर लॉन्च पर कन्फर्म किया है और साथ ही अपनी खुशी व्यक्त की है।

नई दिल्ली। डोनर और उरी द सर्जिकल स्ट्राइक एक्ट्रेस यामी गौतम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म आर्टिकल– 370 को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में अपनी फिल्म के एक पोस्टर के साथ उन्होंने फैंस को ये जानकारी दी थी कि उनकी फिल्म आर्टिकल 370 का ट्रेलर कब रिलीज होगा।

हालांकि, अपनी फिल्म के साथ-साथ यामी गौतम ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी एक बड़ी खुशी फैंस के साथ बांटी है। आदित्य घर जल्द ही बच्चे की किलकारियां गूंजने वाली है। हाल ही में यामी गौतम ने आर्टिकल 370 के ट्रेलर लॉन्च पर अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज को कन्फर्म किया है। एक्ट्रेस और फिल्ममेकर आदित्य धर शादी के तीन साल

बाद अपने पहले बेबी का धूमधाम से स्वागत करने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। बीते दिनों ही में यामी गौतम जब एक इवेंट पर पति आदित्य धर के साथ पहुंची थीं, तो उन्होंने अपने बेली को दुपट्टे से कवर किया हुआ, जिसके बाद से ही उनकी प्रेग्नेंसी की खबरों ने जोर पकड़ा था। अब खुद अपनी फिल्म आर्टिकल 370 के ट्रेलर रिलीज के साथ ही अपने जल्द मां बनने की खुशी एक्ट्रेस ने फैंस के साथ बांटी है।

साल 2021 में शादी के बंधन में बंधी थीं यामी गौतम : यामी गौतम और आदित्य धर की शादी 4 जून 2021 में हुई थी। दोनों के प्यार की शुरुआत उरी-द सर्जिकल स्ट्राइक के सेट पर हुई थी। एक-दूसरे को लगभग दो साल तक डेट करने के बाद शादी की थी।

दोनों ने अपने परिवार और करीबी की मौजूदगी में ही एक्ट्रेस के घर हिमाचल में पूरे रीति-रिवाजों के साथ शादी की थी।

यामी गौतम के करियर की बात करें तो उन्होंने कन्नड़ फिल्म 'उल्लास-उत्साह' से साल 2009 में फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। साल 2012 में उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'विक्की डोनर' में काम किया था।

यामी गौतम की प्रेग्नेंसी को हो चुका है कितना समय?

हिंदुस्तान टाइम्स में छपी रिपोर्ट्स के मुताबिक, यामी गौतम की प्रेग्नेंसी को साढ़े पांच महीने से ज्यादा का समय हो चुका है। उनकी रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि उरी एक्ट्रेस को जब से अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में पता चला है, तब से वह काफी खुश हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यामी गौतम मई के महीने में बेबी को जन्म दे सकती हैं।

अभिषेक कुमार और आयशा खान के डांस ने लगाई आग, 'बिग बॉस' की पार्टी में दोनों ने किया जबरदस्त डांस

नई दिल्ली। बिग बॉस 17 के रनर-अप अभिषेक कुमार की पार्टी चर्चा में बनी हुई है। शो खत्म होने के बाद सभी कंटेस्टेंट इन दिनों लगातार पार्टी करते हुए नजर आ रहे हैं। पहले अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के घर पर धमाल हुआ। इसके बाद अभिषेक कुमार ने बिग बॉस की सक्सेस पार्टी ऑर्गेनाइज की।

अभिषेक कुमार की पार्टी में आयशा खान भी पहुंची थीं। उनका हॉट लुक पहले ही चर्चा में बना हुआ है। वहीं, अब पार्टी से आयशा खान के डांस का इनसाइड वीडियो सामने आया है।

बेहद हॉट लगीं आयशा खान : अभिषेक कुमार की पार्टी में आयशा खान ब्लैक कलर का बॉडीकॉन ड्रेस पहने पहुंचीं और बेहद हॉट नजर आईं। पार्टी से सामने आए वीडियो में एक्ट्रेस अभिषेक कुमार के साथ सिंबा के गाने पर थिरकते हुए नजर आ रही हैं।

पार्टी में शामिल हुए ये सितारे : आयशा खान के अलावा अभिषेक कुमार की पार्टी में मुनव्वर फारूकी, मनारा चोपड़ा, रिंकू धवन, सोनिया बंसल, नाविद सोल और ऑरी समेत कई

सिंबा के गाने पर आयशा-अभिषेक का डांस

रणवीर सिंह और सारा अली खान के गाने लड़की आंख मारे पर अभिषेक कुमार और आयशा खान ने जमकर डांस किया। उनके साथ एक्ट्रेस सोनिया बंसल और रिंकू धवन भी नाचते हुए दिख रही हैं। वीडियो में बिग बॉस 17 के ये सभी कंटेस्टेंट्स जमकर मस्ती करते हुए दिखाई दिए।

बिग बॉस कंटेस्टेंट्स पहुंचे थे। हालांकि, अंकिता लोखंडे और विक्की जैन कहीं भी नजर नहीं आए।

आयशा- अभिषेक की बॉन्डिंग: बिग बॉस 17 के घर में आयशा खान की भले मुनव्वर फारुकी से अनबन रही हो, लेकिन उकने दोस्त अभिषेक कुमार से हमेशा अच्छी बॉन्डिंग रही थी। शो में कई बार आयशा लड़ाई के दौरान अभिषेक को प्रोटेक्ट करते हुए भी नजर आई थीं। बिग बॉस 17 से बाहर आने के बाद विनर के नाम को लेकर आयशा ने कहा था कि वो चाहती हैं कि अभिषेक शो जीते, क्योंकि वो डिजर्विंग कंटेस्टेंट हैं।

एक्शन सीक्वेंस करते हुए विक्की कौशल हुए घायल, वीडियो देख घबराए फैंस

नई दिल्ली। विक्की कौशल हिंदी सिनेमा के उन सितारों में शुमार हैं, जो अपने अभिनय से किरदार में जान फूंक देते हैं। वह जब भी स्क्रीन पर आते हैं, तो दर्शक बस देखते रह जाते हैं। साल 2023 में विक्की कौशल सैम बहादुर बनकर स्क्रीन पर आए थे।

उन्होंने फील्ड मार्शल मानेकशॉ के किरदार से फैंस को काफी इम्प्रेस किया था। साल 2023 के बाद अब इस साल भी विक्की के पास कई नए प्रोजेक्ट्स हैं, जिनकी तैयारियों में वह लगे हुए हैं।

हाल ही में रिपोर्ट्स की मानें तो विक्की कौशल अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग करते हुए घायल हो गए हैं, जिसके बाद उन्हें शूटिंग बीच में छोड़कर कुछ दिनों के लिए रेस्ट पर जाना पड़ा है।

इस फिल्म की शूटिंग सेट पर घायल हुए विक्की कौशल

विक्की कौशल पहली बार संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में उनके साथ काम करने जा रहे हैं। हालांकि, उससे

पहले बहु-प्रतिभाशाली अभिनेता लक्ष्मण उतेरकर की फिल्म 'छावा' के साथ स्क्रीन पर आएंगे, जिसमें उनके साथ मुख्य भूमिका में पहली बार रश्मिका मंदाना नजर आने वाली हैं।

हाल ही में सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने विक्की कौशल का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके बाएं हाथ में प्लास्टर चढ़ा हुआ दिखाई दे रहा है। वह वीडियो में अपनी कार से निकलते हुए घर की तरफ जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विक्की कौशल को ये चोट 'छावा' के इंटेंस एक्शन सीक्वेंस को शूट करने के दौरान लगी है।

रिपोर्ट्स की मानें तो हाथ में चोट लगने के बाद अब विक्की कौशल को शूटिंग से कुछ समय का ब्रेक लेकर रेस्ट करना पड़ेगा।

विक्की कौशल के वीडियो पर यूजर्स ने जताई चिंता

विक्की कौशल के हाथ में प्लास्टर देखने के बाद फैंस उनके जल्द से जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "जल्दी से ठीक हो जाओ विक्की भाई"। दूसरे यूजर ने लिखा, विक्की भाई अपना ध्यान रखो"। एक अन्य

जम्मू-कश्मीर की इस मनमोहक जगह पर उठाएं ट्रेकिंग का आनंद

देखने को मिलेंगे कई हसीन नजारे

अगर आप जम्मू-कश्मीर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो एक बार आपको पहलगाम भी जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। बर्फबारी के दौरान यहां की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। बर्फबारी का लुत्फ उठाने के लिए पहलगाम में पर्यटकों की भारी भीड़ होती है।

सर्दियों के मौसम में हिल स्टेशन घूमना लोगों को काफी ज्यादा पसंद होता है। हिल स्टेशन के खूबसूरत नजारे और ठंडी हवाओं का अलग ही एहसास होता है। वैसे तो दिल्ली से उत्तराखंड और हिमाचल पहुंचना काफी ज्यादा आसान होता है। ऐसे में आप चाहें तो पार्टनर संग कश्मीर को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। बता दें कि हिमालय की गोद में बसे जम्मू-कश्मीर को भारत का जन्नत भी माना जाता है। यहां की हसीन वादियों के आप मुरीद हो जाएंगे। जम्मू-कश्मीर में बसी हर एक जगह की अपनी खासियत होती है। जिसको जीवन में एक बार जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

हांलाकि जम्मू-कश्मीर पहुंचना इतना भी आसान नहीं है। लेकिन अगर आप जम्मू-कश्मीर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो एक बार आपको पहलगाम भी जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। बता दें कि पहलगाम में घास के मैदान, झील-झरने, बर्फ से ढके पहाड़ और दूध की तरह बहती नदी यहां की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। वहीं बर्फबारी के दौरान इस जगह की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। बर्फबारी का लुत्फ उठाने के लिए पहलगाम में पर्यटकों की भारी भीड़ होती है।

बेताब वैली

पहलगाम में बेताब वैली को हजन वैली के नाम से भी जाना जाता है। यह पहलगाम से करीब 15 किमी की दूरी पर स्थित है। इस स्थान पर कई फिल्मों को भी शूट किया जा चुका है। बताया जाता है कि साल 1983 में यहां पर फिल्म 'बेताब' की शूटिंग की गई थी। यह जगह इतनी ज्यादा पॉपुलर हुई कि फिल्म का नाम इस जगह के नाम पर रख दिया गया। ऐसे में आपको यह जगह जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। इसके अलावा आप यहां पर ममलेश्वर मंदिर, शेषनाग झील और अरु वैली आदि जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

चंदनवाड़ी

पहलगाम के बाहरी छोर पर स्थित चंदनवाड़ी वैली काफी ज्यादा मनमोहक है। पहलगाम से चंदनवाड़ी वैली की दूरी 15 किमी है। चंदनवाड़ी वैली में झील-झरने और मनमोहक बर्फ से ढके पहाड़ आपका मन मोह लेंगे। काफी कपल्स यहां पर अपना हनीमून भी प्लान करते हैं। पूरे जम्मू कश्मीर में चंदनवाड़ी की खूबसूरती तो फेमस है। साथ ही इसका अपना धार्मिक महत्व भी है। इस स्थान से अमरनाथ की यात्रा शुरू होती है। इसलिए सैलानियों के लिए यह जगह बेहद खास हो जाती है।

ममलेश्वर मंदिर

पहलगाम जाने के दौरान ममलेश्वर मंदिर जाना न भूलें। वैसे तो यहां पर आपको कई धार्मिक स्थल मिल जाएंगे। ममलेश्वर मंदिर 12वीं शताब्दी में बनाया गया था। इस मंदिर में भगवान शिव की पूजा होती है। कोलाहोई ग्लेशियर से निकलने वाली एक जलधारा के पास यह मंदिर स्थित है। जो ममल गांव में स्थित है। पहलगाम से ममलेश्वर मंदिर की दूरी 1 किमी है।

अरु वैली

अगर आप ट्रेकिंग के शौकीन हैं, तो आपको अरु वैली जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। यहां पर आपको रुकने के लिए कई ऑप्शन मिल जाएंगे। ट्रेकिंग के दौरान जब आप पहाड़ों के बीच से निकलेंगे तो आपको कई खूबसूरत नजारे देखने को मिलेंगे। इसके अलावा आप यहां पर पिकनिक मना सकते हैं। साथ ही पार्टनर के साथ सुकून के कुछ पल भी बिता सकते हैं।

बर्फ महोत्सव

अगर आपको भी बर्फ और ट्रेकिंग बेहद पसंद है। तो हर साल यहां पर होने वाले महोत्सव में भी आप हिस्सा ले सकते हैं। यहां पर हर साल बर्फ महोत्सन आयोजित किया जाता है। इस दौरान आप यहां पर घुड़सवारी, स्कीइंग और स्पेलिंग जैसे एडवेंचर कर सकते हैं।

पहलगाम कैसे पहुंचें

पहलगाम पहुंचने के लिए आपको सबसे पहले श्रीनगर जाना होगा। श्रीनगर से पहलगाम आप आराम से पहुंच सकते हैं। श्रीनगर आने के लिए आप बस, ट्रेन या फिर फ्लाइट से यात्रा कर सकते हैं। वहीं श्रीनगर पहुंचने के बाद आप टैक्सी से पहलगाम जा सकते हैं। श्रीनगर से पहलगाम की दूरी करीब 100 किमी के आसपास है।

अब बिना वीजा कर सकेंगे ईरान की सैर, जानें यहां के ट्रिप से जुड़ी सभी जरूरी बातें

अगर आप विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो ईरान को अपनी लिस्ट में जरूर शामिल करें। दरअसल, हाल ही में ईरान ने भारतीय पर्यटकों के लिए अपने देश में वीजा फ्री एंटी कर दी है। अब यहां जाने के लिए भारतीय पासपोर्ट धारकों को वीजा की जरूरत नहीं होगी। ईरान के इस फैसले के बाद अब भारतीय पासपोर्ट धारक अब बिना वीजा के 63 देशों की यात्रा कर सकते हैं। आइए जानते हैं ईरान की इस नई पॉलिसी और यहां घूमने के लिए जरूरी सभी बातों के बारे में-

कब-कब जा सकेंगे ईरान?

ईरान में वीजा फ्री एंटी के बाद अब सामान्य पासपोर्ट रखने वाले भारतीय नागरिकों को हर छह महीने में एक बार बिना वीजा के ईरान में प्रवेश करने की सुविधा मिलगी। इसके तहत आप हर बार यहां 15 दिनों की ट्रिप एंजॉय कर सकते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि 15 दिन की यह अवधि बढ़ाई नहीं जा सकेगी। साथ ही यह ध्यान रखें कि यह वीजा छूट की सुविधा विशेष रूप से पर्यटन उद्देश्यों से ही दी गई है।

क्यों खास है ईरान?

ईरान को साल 1935 तक फारस के नाम से जाना जाता था। यह दुनिया की सबसे पुरानी प्रमुख सभ्यताओं में से एक है, जिसकी शहरी बस्तियां 4000 ईसा पूर्व की हैं। आपको ईरानी संस्कृति में प्री-इस्लामिक और इस्लामिक प्रभावों का मिश्रण देखने को मिलेगा, जो इसे मध्य पूर्व और मध्य एशिया में सबसे प्रभावशाली संस्कृतियों में से एक बनाती है।

फरवरी में पार्टनर संग बीकानेर को करें एक्सप्लोर, इन शाही जगहों पर सेलिब्रेट करें वैलेंटाइन वीक

फरवरी के महीने में देश के कई हिस्सों में रातें सर्द और दिन हल्का गर्म होता है। इसलिए फरवरी का महीना घूमने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। फरवरी का महीना सुहावना होने के साथ ही रोमांटिक भी होता है। वहीं यह महीना कपल्स के लिए भी एक सौगात की तरह होता है। क्योंकि फरवरी महीना वैलेंटाइन डे वीक के लिए जाना जाता है। तो वहीं कई लोग फरवरी को गुलाबी महीना भी कहा जाता है। ऐसे में अगर आप भी फरवरी में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप राजस्थान घूमने का प्लान बना सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप दिल्ली से 3 दिन बीकानेर घूमने का बेहतरीन प्लान बना सकते हैं।

ऐसे पहुंचे दिल्ली से बीकानेर : दिल्ली से बीकानेर पहुंचना काफी ज्यादा आसान है। ऐसे में आप दिल्ली में स्थित Isbt कश्मीरी गेट बस स्टैंड राजस्थान बस सर्विस के जरिए बीकानेर पहुंच सकते हैं। बता दें कि कश्मीरी गेट बस स्टैंड से बीकानेर के लिए भी बस चलती हैं। जहां सरकारी बस का किराया 500-600 रुपए के बीच होता है। तो वहीं अगर आप प्राइवेट बस से जाते हैं, तो आपको 1000 रुपए तक खर्च करना पड़ सकता है। दिल्ली से ट्रेन नंबर -12259, 22472, 12371, 12457, 15909 बीकानेर के लिए चलती हैं। स्लीपर का किराया करीब 350 रुपए और 3ह्य्र एसी का किराया करीब 1000 रुपये होते हैं। यहां पर सबसे पास एयरपोर्ट जोधपुर एयरपोर्ट है।

बीकानेर में रुकने की बेस्ट जगहें : बीकानेर में ठहरने के लिए आपको कई खूबसूरत और ऐतिहासिक शहर, रिसॉर्ट और विला मिल जाएंगे। यहां पर आप आसानी से और बेहद कम खर्चे में रुक सकते हैं। लेकिन अगर आप सस्ते में बीकानेर में रुकना चाहते हैं, तो मुख्य शहर से कुछ दूरी पर रूम बुक कर सकते हैं। आप यहां पर तनिषा हेरिटेज हवेली, कैलाश हवेली, होटल राज दरबार, जमना विलास गेस्ट हाउस, बीकानेर टूरिस्ट प्लेस और होटल पद्मिनी निवास आदि में सिर्फ 500 से 1200 रुपए के बीच में रूम बुक कर सकते हैं।

खाने-पीने की बेस्ट चीजें : यह शहर खाने-पीने के मामले में भी बेस्ट माना जाता है। यहां पर आप पारंपरिक खाने के अलावा स्ट्रीट फूड्स का भी लुत्फ उठा सकते हैं। बीकानेस में आप राज-कचोडी, घेवर, केसर फ़िनी, बीकानेर भुजिया, गट्टे की सब्जी के अलावा पारंपरिक राजस्थानी थाली का भी लुत्फ उठा सकते हैं। बीकानेर का सबसे फेमस व्यंजन कांजी बड़ा है। साथ ही यहां पर आप मोती पाक का स्वाद चखना न भूलें।

जूनागढ़ फोर्ट : आप बीकानेर में स्थित जूनागढ़ फोर्ट घूम सकते हैं। जूनागढ़ फोर्ट का निर्माण राजा राय सिंह ने करवाया था।

लालगढ़ पैलेस : इसके अलावा बीकानेर में लालगढ़ पैलेस भी काफी ज्यादा खूबसूरत है। इस किले का निर्माण 20वीं शताब्दी में करवाया गया था। इस महल को राजपुताना महल कहा जाता है। इस महल को अब हेरिटेज होटल और संग्रहालय में बदल दिया गया है।

यहां पर घूमना न भूलें

आपको बता दें कि बीकानेर राजस्थान का बेहद खूबसूरत शहर है। पाकिस्तान की सीमा के पास होने के कारण यहां पर्यटकों की भारी भीड़ होती है। यह शहर रेत के सुनहरे टीले के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। यहां पर आपको घूमने के लिए एक से एक बेहतरीन जगहें मौजूद हैं।

आईफोन में मिलेगा अब अण्डरवाटर मोड, पानी में चल सकेगा आईफोन?

नई दिल्ली। कैसा हो अगर हम कहें कि अब आप अपना एपल आईफोन पानी के अंदर भी चला सकेंगे। यह सुनकर एक पल के लिए आपकी भौंहें भी ऊंची हो गई होंगी।

दरअसल ऐसा भविष्य में हो सकता है। जी हां, आईफोन यूजर्स के लिए एपल एक बड़ी तैयारी कर रहा है। कंपनी अपने हैंडसेट मॉडल में एक खास फीचर को ला सकती है। इस फीचर का नाम Underwater Mode होगा। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एपल ने एक नया पेटेंट फाइल किया है। यह पेटेंट अमेरिका में फाइल हुआ है। इस पेटेंट को लेकर मिली जानकारी के मुताबिक कंपनी एक खास फीचर के साथ यूजर को उनका आईफोन पानी में भी चला सकने की सुविधा देगी। पेटेंट के लिए एपल की ओर से 78 पेज की एक फाइल दी गई है। यह फाइल यूनाइटेड स्टेट पेटेंट एंड ट्रेडमार्क ऑफिस में दी गई है। दरअसल, बताया जा रहा है कि कंपनी ने स्पेशल आईफोन इंटरफेस डिजाइन दिखाया है। इस इंटरफेस के साथ ही आईफोन यूजर को फोन पानी के अंदर चलाने में मदद मिलेगी। हालांकि, मौजूदा समय में आईफोन यूजर्स को अभी इस तरह का कोई फीचर नहीं दिया जाता है, जिसमें फोन पानी में चलाने की सुविधा मिलती हो। Underwater User Interface को लेकर कुछ जानकारियां भी सामने आई हैं। इन जानकारियों के मुताबिक इस खास इंटरफेस के साथ फोन में बड़े बटन और हार्डवेयर वॉल्यूम बटन पर कंट्रोल्स मिल सकते हैं।

बता दें, इस तरह के फीचर को लाए को लेकर एपल की ओर से फिलहाल किसी तरह का कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस खास फीचर को लेकर नई जानकारियां सामने आ सकती हैं।

50मेगापिक्सल कैमरा वाला फोन एक नए वेरिएंट में हुआ पेश

नई दिल्ली। इनफिनिक्स ने हाल ही में भारतीय ग्राहकों के लिए स्मार्ट 8 लॉन्च किया था। इस फोन को कंपनी अब एक नए वेरिएंट में पेश कर रही है। कंपनी का यह फोन अब 8GB रैम + 128GB स्टोरेज वेरिएंट में भी खरीदने का मौका मिल रहा है।

इनफिनिक्स स्मार्ट 8 स्मार्टफोन के नए 128GB वर्जन को फ्लिपकार्ट के जरिए खरीदा जा सकता है। इस फोन की कीमत को लेकर बात करें तो कंपनी इस फोन को 8,999 रुपये में खरीदने का मौका दे रही है।

इतना ही नहीं, इस फोन की खरीदारी SBI Credit and Debit कार्ड होल्डर 1000 रुपये के डिस्काउंट में खरीद सकते हैं। फोन की खरीदारी पर 699 रुपये का स्पॉटिफाई प्रीमियम एनुअल सब्सरि प्शन भी ऑफर किया जा रहा है।

खूबियों की बात करें तो यह फोन पहले बेस मॉडल के साथ पेश किया गया था। फोन 4GB रैम और 64GB स्टोरेज के साथ लाया गया था। अब फोन को बड़ी रैम और ज्यादा स्टोरेज कैपेसिटी के साथ लाया गया है।

इनफिनिक्स का यह फोन 6.6 इंच IPS LCD panel, HD+रेजोल्यूशन और 90Hz रिफ्रेश रेट के साथ आता है। कंपनी का यह फोन MediaTek Helio G36 चिपसेट के साथ आता है।

फोन Android 13 Go edition पर रन करता है। इसके अलावा, फोन में 5,000mAh बैटरी और 10W फास्ट चार्जिंग सपोर्ट की भी सुविधा मिलती है।

यह फोन 50MP डुअल कैमरा सेटअप के साथ आता है। वहीं दूसरी ओर, फोन में सेल्फी क्लिक करने के लिए 8MP कैमरा मिलता है।

मोटोरोला देने जा रहा भारतीय ग्राहकों को नई सौगात

मोटोरोला ने हाल ही में अपने भारतीय ग्राहकों के लिए 6000mAh बैटरी वाला फोन लॉन्च किया है। जी हां हम यहां Motorola G04 Power की बात कर रहे हैं। कंपनी का यह फोन एक बजट डिवाइस है। इसी कड़ी में भारतीय ग्राहकों को कंपनी की ओर से एक और नया स्मार्टफोन पेश किया जाने वाला है। अपकमिंग फोन भी एक बजट फोन हो सकता है।

नई दिल्ली। मोटोरोला ने हाल ही में अपने भारतीय ग्राहकों के लिए 6000mAh बैटरी वाला फोन लॉन्च किया है। जी हां हम यहां Motorola G24 Power की बात कर रहे हैं। कंपनी का यह फोन एक बजट डिवाइस है। इसी कड़ी में भारतीय ग्राहकों को कंपनी की ओर से एक और नया स्मार्टफोन पेश किया जाने वाला है। दरअसल, मोटोरोला ने अपने एक्स हैंडल पर एक नए फोन को लेकर टीजर जारी किया है। इस टीजर के साथ ही नए फोन को लाने जाने की जानकारी कन्फर्म हुई है।

हालांकि, मोटोरोला के इस अपकमिंग स्मार्टफोन के नाम को लेकर अभी तक जानकारी सामने नहीं आई है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मोटोरोला का अपकमिंग स्मार्टफोन Moto G04 हो सकता है। दरअसल, कंपनी ने इस फोन को हाल ही में यूरोप में पेश किया है।

कंपनी द्वारा जारी किए गए टीजर में नया फोन Green, Blue, Black, और Orange कलर ऑप्शन में नजर आया है। ऐसे में माना जा रहा है कि कंपनी भारतीय ग्राहकों को Moto G04 का ही तोहफा देने जा रही है।

इन खूबियों के साथ आता है

- Moto G04 स्मार्टफोन की खूबियों की बात करें तो कंपनी ने यह फोन 16MP रियर कैमरा और एलईडी फ्लैश के साथ पेश किया है। फोन में सेल्फी के लिए 5MP फ्रंट फेसिंग कैमरा मिलता है।
- फोन में 5000mAh बैटरी 10W फास्ट चार्जिंग फीचर मिलता है और यह 4GB रैम और 64GB स्टोरेज के साथ लाया गया है।
- मोटोरोला का यह फोन Unisoc T606 प्रोसेसर के साथ आता है। माना जा रहा है कि मोटोरोला का अपकमिंग फोन भी 10 हजार रुपये से कम में लाया जा सकता है।

एप्पल फोल्डेबल सेगमेंट में करेगा एंट्री, क्लैमशेल डिजाइन वाले आईफोन और फोल्डिंग आईपैड पर काम कर रही कंपनी

एप्पल अपने कस्टमर्स के लिए समय समय पर खास अपडेट लाता रहता है। आपको बता दें कि नई रिपोर्ट सामने आई है जिसमें पता चला है कि कंपनी अपने नए फोल्डेबल फोन को लाने की तैयारी कर रही है। जैसा कि हम जानते हैं कि हाल ही में कंपनी ने अपने मिक्स्ड रियालिटी हैडसेट को अमेरिका में उपलब्ध कराया था। ऐसे में ये कंपनी के लिए बड़ा कदम होगा।

एप्पल भारत के साथ- साथ दुनिया भर में काफी लोकप्रिय रहा है। आपको बता दें कि हाल ही में कंपनी ने अमेरिका अपने मिक्स्ड रियालिटी हेडसेट को पेश किया है। फिलहाल कंपनी के लंबे समय से चर्चा में रहे फोल्डेबल आईफोन के बारे में कुछ खबरें सामने आई है।

मीडिया रिपोर्ट में पता चला है कि कंपनी कम से कम दो iPhone प्रोटोटाइप विकसित कर रहा है जो फोल्डेबल हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि ये आगामी हैंडसेट गैलेक्सी जेड फ्लिप 5 को सीधी टक्कर दे सकते हैं। हालांकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि इन डिवाइस का प्रोडक्शन आने वाले सालों में होगा या नहीं।

एक नई मीडिया रिपोर्ट जानकारी मिली है एप्पल कम से कम दो क्लैमशेल-स्टाइल फोल्डेबल आईफोन मॉडल के प्रोटोटाइप का निर्माण कर रहा है।

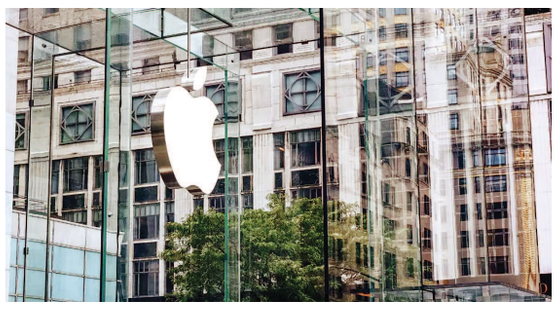

इसका फोल्डेबल डिवाइस प्रारंभिक विकास चरण में हैं और कंपनी इन्हें 2024 या 2025 में बड़े पैमाने पर लाने की योजना भी नहीं बना रही हैं।

जैसा कि हम जानते हैं कि एपल एक फोल्डेबल आईफोन बनाने पर विचार कर रहा है, जिसमें डिवाइस के बाहर डिस्प्ले होगा। ये डिस्प्ले तब दिखाई देगा,जब डिवाइस को बंद किया जाएगा।

जानकारी मिली है कि इंजीनियरों को डिजाइन के साथ संघर्ष करना पड़ा क्योंकि यह आसानी से टूट सकता है।

इसके अलावा कंपनी के इंजीनियर एक ऐसा फोल्डेबल विकसित करना चाहते हैं जो मौजूदा आईफोन मॉडल जितना पतला हो, हालांकि बैटरी का आकार और डिस्प्ले एलीमेंट डिवाइस की मोटाई बढ़ा देते हैं।

रिपोर्ट में ये जानकारी भी सामने आई है कि कंपनी एक फोल्डेबल आईपैड को भी ला सकती है। इसमें 8-इंच डिस्प्ले मिल सकता है और इसका आकार आईपैड मिनी के समान हो सकता है।

आपको बता दें कि एप्पल इंजीनियर डिस्प्ले के सेंटर पर बन रहे क्रीज को कम करने के लिए काम कर रहे हैं। साथ ही वे एक ऐसा हिंज विकसित करने जा रहे हैं जो फ्रंट डिस्प्ले को सपाट रहने देगा।

बता दें कि कंपनी ने अभी तक किसी भी फोल्डेबल आईफोन या आईपैड के आने की पुष्टि नहीं की है।

अब पढ़ाई के साथ कमाई, युवाओं को मिलेगा रोजगार

अजमेर। यूजी कोर्स में दाखिला लेने वाले युवाओं को पढ़ाई के साथ कमाई के साथ ही शोध और इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इसे लेकर सभी यूनिवर्सिटी और कॉलेज को पत्र भिजवाए हैं।

यूजीसी के सचिव प्रो. मनीष जोशी के आदेशानुसार कॉलेज और यूनिवर्सिटी में यूजी स्तर पर पढ़ाई के साथ-साथ इंटर्नशिप की शुरुआत होगी। नोडल अधिकारी को शोध और इंटर्नशिप के लिए संस्थानों का चयन करना होगा। इनमें स्थानीय उद्यम, लोक कला, बिजनेस हाउस, औद्योगिक समूह और अन्य को शामिल किया जाएगा।

मिलेंगे क्रेडिट अंक

विद्यार्थियों को इंटर्नशिप करने पर दो से चार क्रेडिट (अंक) मिलेंगे। शोध करने पर 12 क्रेडिट (अंक) मिलेंगे। इसकी एवज में न्यूनतम पारिश्रमिक भी मिलेगा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत यूजी स्तर पर इंटर्नशिप का प्रावधान रखा गया है।

इन क्षेत्रों में शोध और इंटर्नशिप

एआई, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, आइटी, व्यापार, कृषि, बैंकिंग, लाजिस्टिक, हैंडक्राफ्ट, आर्ट, डिजाइन और संगीत, हेल्थ केयर और लाइफ साइंस, पर्यटन, मानवाधिकार, संचार, शिक्षा, पर्यावरण, कॉमर्स, मध्यम व छोटे उद्योग, रिटेल, खेलकूद और अन्य।

पुराना ढर्रा नहीं चलेगा, शहर की स्वच्छता रैंकिंग में सुधारें-देवनानी

अजमेर. विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शहर की सफाई, ड्रेनेज, सीवरेज और सौन्दर्यीकरण को लेकर नगर निगम के अफसरों पर बरसे। उन्होंने अफसरों को चेतावनी दी कि पुराना ढर्रा नहीं चलेगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शहर की सफाई, ड्रेनेज, सीवरेज और सौन्दर्यीकरण को लेकर नगर निगम के अफसरों पर बरसे। उन्होंने अफसरों को चेतावनी दी कि पुराना ढर्रा नहीं चलेगा। शहर को साफ और सुन्दर रखना हमारी जिम्मेदारी है। स्वच्छता रैंकिंग में शीर्ष पर होना चाहिए। उन्होंने केईएम का नाम बदलने एवं आजाद पार्क में चंद्रशेखर आजाद की मूर्ति लगाने के निर्देश दिए।

उन्होंने बुधवार को निगम के अधिकारियों के साथ शहर के सौंदर्यीकरण, स्वच्छता ,ड्रेनेज, सीवरेज ,वेस्ट मैनेजमेंट, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, स्ट्रीट वेंडर्स , नालों

की सफाई सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। देवनानी ने कहा कि नाले कचरे से अटे पड़े हैं, गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है, सफाई नहीं हो रही है। स्मार्टसिटी कैसे बनेगी। जब आप खुद स्मार्ट नहीं होंगे तो शहर कैसे स्मार्ट बनेगा। जल निकासी और सीवरेज के बुनियादी ढांचे में सुधार पर जोर दिया। मानसून पूर्व सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या का निदान करने को कहा। उन्होंने कहा कि केवल बारिश के कुछ महत्वपूर्ण टेंडर निकालकर इतिश्री नहीं की जाए। शहर की झीलों में जलकुंभी को हटाने के लिए डीविडिंग मशीन के अलावा मैन्युअल लेबर से सफाई का टेंडर दिए जाने की मांग की। साफ-सफाई एवं रोशनी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

पार्क बदहाल है, सूख गई घासवार्डो में सार्वजनिक पार्कों का रखरखाव एवं सफाई की व्यवस्था की गई। पार्कों में लगे झूले आदि टूटे पड़े हैं, अधिकांश पार्क की घास सूख गई है। पार्क बदहाल है। स्वीपिंग मशीन का सदुपयोग करने के निर्देश दिए ताकि स्वच्छता सर्वेक्षण में रैंकिंग में सुधार हो। पर्यटन को भी बढ़ावा मिले।

इन मुद्दों पर दिए निर्देशबैठक में मांस की दुकानों के लिए अनुपालन उपाय, स्वच्छता मानकों की पालना कराएं एवं अवैध दुकानों को हटाने के निर्देश दिए। वहीं ग्रीन बसों की मॉनिटरिंग, नक्शे निर्धारित समय में ऑनलाइन स्वीकृत या अस्वीकृति करने, दरगाह व आसपास के क्षेत्र में जर्जर इमारतों पर कार्रवाई, कच्ची बस्ती में पट्टों का वितरण, पेइंग गेस्ट के लाइसेंस की जांच, कांजी हाउस में एम्बुलेंस एवं चिकित्सक की नियुक्ति के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में महापौर बृजलता हाड़ा, सीईओ देशलदान आदि मौजूद रहे।

उद्योग के लिए संजीवनी होगी पुष्कर-मेड़ता रेलवे लाइन

अजमेर. औद्योगिक शहर एवं क्षेत्रों को जोड़ने के लिए पुष्कर-मेड़ता रेलवे लाइन संजीवनी होगी। परिवहन की सुविधा एवं माल ढुलाई के लिए नए विकल्प के रूप में भी रेलवे परिवहन की सुगमता से ना केवल उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि मेवाड़-मारवाड़ के प्रति आदान-प्रदान भी बढ़ेगा।

अजमेर जिला खनिज उत्पादन के क्षेत्र में आगे हैं। ब्यावर-केकड़ी के साथ अजमेर जिले में क्वार्ट्ज, फेल्सपार, संगमरमर एवं कुछ जगह मार्बल का उत्पादन है। इसी तरह नागौर में भी जिप्सम का भंडार है। जिप्सम के उत्पादन के साथ इसकी डिमांड अन्य राज्यों में भी है। वहीं डेगाना के आसपास टंगस्टन है।

कच्चे व पके माल की ढुलाई होगी आसान

पुष्कर-मेड़ता लाइन के प्रारंभ होने से खनिज संबंधी कच्चे व पके माल की ढुलाई भी आसान होगी। कम समय व कम लागत में माल का परिवहन होने से सरकार को रेवेन्यू के साथ लीजधारकों के लिए भी लागत कम आएगी।

ब्यावर बना सीमेन्ट उत्पादन का हब

नए जिलों के परिसीमन के बाद ब्यावर सीमेन्ट उत्पादन का विश्व का सबसे बड़ा हब बन गया है। ब्यावर अंधेरी देवरी, रास, जैतारण व आसपास के क्षेत्र में सीमेन्ट उद्योग की नामी कंपनियां प्लांटों में सीमेन्ट का उत्पादन कर रही है। पुष्कर-मेड़ता लाइन के जुड़ने से पंजाब, जैसलमेर, श्रीगंगानगर, हरियाणा, जोधपुर, नागौर, बीकानेर तक सप्लाई आसान होगी।

नागौर में यह भी खास-मसाला फसलों का उत्पादन।

-पान मैथी उद्योग।-सूखी सब्जियों का उद्योग।

-स्टील (लौह) उद्योग।

अजमेर के यह प्रमुख उद्योग

-मार्बल-ग्रेनाइट उद्योग।-पुष्कर में गुलाबनिर्मित उत्पाद उद्योग।

-आंवला, जामुन से जुड़े उद्योग।

पिकअप वाहन की टक्कर से एम्बुलेंस पलटी, मरीज समेत 7 जख्मी

अजमेर. परबतपुरा बायपास पुलिया के नीचे मंगलवार रात तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने आगे चल रही एम्बुलेंस को टक्कर मार दी। पिकअप वाहन की टक्कर से मरीज लेकर जा रही एम्बुलेंस पलट गई। हादसे में एम्बुलेंस सवार मरीज की हालत बिगड़ गई जबकि चालक, नर्सिंग स्टाफ समेत मरीज के परिजन जख्मी हो गए। घायलों को राहगीर ने निजी वाहन से जेएलएन अस्पताल में भर्ती करवाया।

जानकारी अनुसार सरवाड़ निवासी 108 एम्बुलेंस चालक ताराचन्द मंगलवार रात को केकड़ी अस्पताल से जूनिया निवासी काली(60) पत्नी गंगाराम को प्राथमिक उपचार के बाद अजमेर जवाहरलाल नेहरू अस्पताल लेकर रवाना हुआ। एम्बुलेंस में नर्सिंग कर्मचारी सरवाड़ निवासी मुद्दसर के अलावा मरीज

कालीदेवी के परिजन सवार थे। परबतपुरा बायपास पहुंची। एम्बुलेंस के पुलिया के नीचे से गुजरने के दौरान पीछे से आई तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने टक्कर मारी। टक्कर से 108 एम्बुलेंस डिवाइडर के पास असंतुलित होकर पलट गई। एम्बुलेंस के पलटते ही चौराहे पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। यहां आसपास खड़े लोगों ने एम्बुलेंस में सवार मरीज और उसके परिजन को बाहर निकाला।

दुर्घटना में एम्बुलेंस चालक ताराचन्द, नर्सिंग कर्मी मुद्दसर, मरीज कालीदेवी, निराजदेवी पुत्री गंगाराम, पुत्री गीतादेवी, हंसा प%ी आसाराम व सीताराम पुत्र रामनिवास जख्मी हो गए। दुर्घटना में एम्बुलेंस में मरीज कालीदेवी की हालत बिगड़ गई। घायलों को राहगीर की मदद से उन्हें जेएलएन अस्पताल पहुंचाया। आदर्शनगर थाना पुलिस ने पिकअप वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चालकर दुर्घटनाकारित करने का मुकदमा दर्जकर लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के वक्त परबतपुरा चौराहा पर ना संबंधित थाना पुलिस थी ना यातायात पुलिस के जवान। आमतौर पर आदर्शनगर थाने की संध्याकालीन गश्त, यातायात पुलिस के जवान व चेतक की टीम मौजूद रहती है लेकिन दुर्घटना के 25 मिनट बाद तक कोई भी नहीं पहुंचा। जिससे क्षेत्रवासियो में आर ोष व्याप्त हो गया।

जिला कलक्टर पहुंची अस्पताल

अजमेर. जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने सोमवार को जवाहरलाल नेहरू अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सक, नर्सिंगकर्मियों की हाजिरी जांची। उन्होंने उनकी हाजिरी जांची। बिना कारण गायब मिले स्टाफ को नोटिस थमाने और महिला कार्मिक को निलंबित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर डॉ. भारती करीब दो घंटे अस्पताल में रहीं। ओपीडी से लेकर विभिन्न विभागों की जांच की। इस दौरान ओपीडी में कई डॉक्टर व नर्सिंगकर्मी व अन्य गायब मिले। उन्होंने नाराजगी जताते हुए अधीक्षक को संबंधित चिकित्सक व कार्मिकों को नोटिस देने के निर्देश दिए। डॉ. दीक्षित सुबह 10.16 बजे अस्पताल पहुंची। उन्होंने सबसे पहले ओपीडी की जांच की। यहां कई डॉक्टर और कर्मचारी नहीं मिले। इसके बाद दवा और पर्ची काउंटर, एक्सरे-सहित विभिन्न विभागों-वार्ड में जांच की।अस्पताल की किचन में भी अव्यवस्था, लगाई फटकार

अस्पताल की किचन में भोजन सामग्री और सामान सही रखा नहीं मिला। इस पर उन्होंने स्टाफ को फटकार लगाई। इस दौरान अस्पताल के कार्यवाहक अधीक्षक अरविंद खरे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कलक्टर ने अव्यवस्था पर संबंधित कार्मिक को नोटिस देने के निर्देश दिए।एक निलम्बित एवं 16 को नोटिस कार्यवाहक अधीक्षक डॉ. खरे के अनुसार नर्सिंगकर्मी गीता जैन को निलम्बित किया गया है। बताया जा रहा है कि किचन का काम भी उनके पास है। पूर्व में भी शिकायत जिला कलक्टर को दी गई है। उधर, निरीक्षण में नदारद मिले करीब 14 चिकित्सक व दो अन्य कर्मचारियों को मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. वी.बी. सिंह की ओर से नोटिस जारी किए गए हैं।

अजमेर की लाइफ लाइन की मरम्मत जारी

अजमेर। अजमेर जिले में पानी की आपूर्ति करने वाली पाइप लाइनों के रखरखाव एवं मरम्मत का कार्य जारी है। इसके लिए जलदाय विभाग ने सात-आठ टीम बनाकर करीब 11 जगह पाइप लीकेज में वेल्डिंग प्लेट आदि लगाने के कार्य को अंजाम दिया। विभाग ने स्टील एवं सीमेंटेड पाइपलाइन के वॉल, बटरफ्लाई वॉल , स्विचयार्ड आदि को सही करने का काम रात 10 बजे से शटडाउन लेकर शुरू किया जो देर रात तक जारी रहा। जलदाय विभाग से जुड़े कंपनी इंचार्ज रामनिवास जांगिड़ ने बताया कि शटडाउन के तहत जलदाय विभाग ने करीब 11 जगह लाइनों में हो रहे लीकेज में प्लेट एवं वॉल सहित वेल्डिंग एवं बदलने का कार्य किया है। जांगिड़ ने बताया कि पुरानी पाइपलाइन में स्विच यार्ड, केकड़ी पंप हाउस के सामने 1200 एमएम व 1300 एमएम इंटरकनेक्शन टीपॉइंट पर वेल्डिंग लीकेज, केकड़ी पंप हाउस के सामने 1600 एमएम बटरफ्लाई वाल मैनहोल वेल्डिंग लीकेज , केकड़ी से बघेरा रोड पंप हाउस में पाइप लाइन की प्लेट वेल्डिंग, थड़ोली पंप हाउस से भासु की तरफ बाईपास पर पाइपलाइन पर प्लेट वेल्डिंग , भासु से सूरजपुरा की तरफ पाइपलाइन पर चेकनट एवं प्लेट वेल्डिंग, सराना के निकट एयरवॉल पाइपलाइन वेल्डिंग , एमडीआर 73 पर पाइपलाइन वेल्डिंग का कार्य जारी है। यह कार्य गुरुवार रात 10 बजे तक पूरा कर थडोली पंप हाउस से पंपिंग शुरू कराकर पेयजल सप्लाई शुरू की जाएगी। जांगिड़ ने बताया कि इस शटडाउन के चलते कई शहरी एवं ग्रामीण इलाकों की पेयजल सप्लाई बाधित रहेगी। जगह-जगह पानी का स्टोरेज कर अंतराल वाली सप्लाई की जाएगी, फिर भी इस शटडाउन का असर रहेगा।

चार वर्षीया मासूम से दुष्कर्म के अभियुक्त को 20 वर्ष का कारावास

अजमेर. चार वर्षीय मासूम बालिका से दुष्कर्म करने के अभियुक्त को पोक्सो अदालत के न्यायाधीश बन्नालाल जाट ने 20 वर्ष के कठोर कारावास व 50 हजार रुपए जुर्माने से दंडित किया।

चार वर्षीय मासूम बालिका से दुष्कर्म करने के अभियुक्त को पोक्सो अदालत के न्यायाधीश बन्नालाल जाट ने 20 वर्ष के कठोर कारावास व 50 हजार रुपए जुर्माने से दंडित किया।

आरोपी के खिलाफ परिवादिया ने 8 जुलाई 2022 को जिले के एक थाने में रिपोर्ट दर्ज करा बताया कि घर के बाहर खेल रही उसकी 4 वर्षीया पुत्री को पडोसी बहला-फुसला कर ले गया। कुछ देर बाद उसकी पुत्री ने रोते हुए आकर घटना की जानकारी दी। उसने आरोपी पर अश्लील हरकतें करने का आरोप लगाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पोक्सो कानून व भादंस की धारा के तहत मामला दर्ज किया।पीडिता ने अपने बयानों में घटना की पुष्टि की। पीडिता के बयान व उसकी घटना स्थल की पुष्टि के आधार पर अदालत ने अभियुक्त को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। विशिष्ट लोक अभियोजक रूपेन्द्र कुमार परिहार ने 16 गवाह तथा 18 दस्तावेज पेश किए।

मानवता को किया शर्मसार, पड़ोसी पर विश्वास नहींअपराध गंभीर प्रकृति का है। एक पडोसी जो हर व्यक्ति के सुख-दुख में काम आता है तथा बच्ची व उसके परिवार वाले उसे पारिवारिक सदस्य मानते थे । उसने ऐसा कृत्य कर मानवता को शर्मसार किया। ऐसी घटनाओं से पड़ोसी अपने पडोसी पर विश्वास नहीं करेगा। पीड़ित प्रतिकर स्कीम में न्यायालय ने पाड़िता को 6 लाख रूपये अलग से दिलाए जाने के आदेश भी दिए।

फ़तेह एक्सप्रेस
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करे
Call / Whatsapp 9214839374

परीक्षा में नहीं हो पाएगी नकल, विद्यार्थी-वीक्षक नहीं रख सकेंगे मोबाइल, ये नियम भी होगा लागू

अजमेर. महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी की प्रथम वर्ष की परीक्षा में नई पेपर स्कीम लागू होगी, जिसमें कई सख्त नियमों का पालन करना अनिवार्य है। अब विद्यार्थी और वीक्षक दोनों ही मोबाइल फोन नहीं रख पाएंगे, पेपर के हर पन्ने पर यूनिक कोड होगा, इतना ही नहीं पेपर के पैकेट खोलते वक्त उसकी वीडियोग्राफी करना भी निर्धारित है।

महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी की प्रथम वर्ष की पहले सेमेस्टर की परीक्षाओं में कड़ी सुरक्षा रहेगी। परीक्षा केंद्रों के कमरों में विद्यार्थी और वीक्षक मोबाइल नहीं रख सकेंगे। पेपर के प्रत्येक पेज पर यूनीक कोड होगा। अब पेपर के पैकेट खोलने की वीडियोग्राफी करानी जरूरी होगी।

सत्र 2023-24 में यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध अजमेर, नागौर, भीलवाड़ा, टोंक, शाहपुरा, ब्यावर, केकड़ी, कुचामन.डीडवाना जिले के कॉलेज में यूजी प्रथम वर्ष में सेमेस्टर पद्धति लागू की गई है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. सुब्रोतो दत्ता ने बताया कि पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 8 फरवरी से शुरू होंगी। इनमें 1 लाख 12 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। बीएए बीएससी, बीकॉम, बीसीए, बीएससी होम साइंस, बीएससी नेच्यूरोपैथी एवं यौगिक साइंस, बीएससी फूड. न्यूट्रिशियन व अन्य संकायों की परीक्षाएं होंगी।

यह होगी नई पेपर स्कीम

पार्ट ए : 20 अंक, दो.दो अंकों के दस प्रश्न

पार्ट बी : 50 अंक, 10 में से 5 प्रश्न करना जरूरी

पेपर सुरक्षा सबसे अहम

पेपर के प्रत्येक पेज पर यूनिक कोड

पेपर के पैकेट खोलने की वीडियोग्राफी

कमरों में स्मार्ट मोबाइल रखने पर पाबंदी

नकल करने पर कानूनी कार्रवाई

Technocracy Softwares Pvt.Ltd.
Complexity Simplified....
CUSTOM
WEB DEVELOPMENT
SERVICES
If you want your website to stand out from the competition, you need a stand out design
Website:- www.technocracysoftwares.com
Email ID:- technocracysoftwares@gmail.com
Call :- +91 9214 83 9374

GROW YOUR BUSINESS
WEBSITE DESIGNING SERVICES
Technocracy
Build From Scratch
Upgrade And Renew
Dynamic CMS Based
E-Commerce Website
Website Support
All Platforms
Photo Gallery
Free Hosting
Free Domain Name
and Much MORE
IN JUST Rs. 3,999/-
CALL US: 91+9214839374
www.technocracysoftwares.com

Indexigo .com
Escape the Ordinary!!!
Travel To Rajasthan
Jaisalmer
Thar Desert
Udaipur
Book Now
Inclusions :
9 Night stay in Deluxe Hotel
Double sharing AC rooms
Daily Breakfast & Dinner at Hotel
Premium Desert Safari
Private AC Vehicle
City Tour with full Safety
Package Starts From 10499/- PER PERSON 10D / 9N
CALL US NOW! +91 9460429374
www.indexigo.com

स्वामी, प्रकाशक एवं संपादक मुबारक खान के लिए डीबी कॉर्प लिमिटेड, माकड़वाली रोड़, अजमेर से मुद्रित एवं कार्यालय : 409 / 33 , अँधेरी पूल, पाल बीचला, पटेल नगर, अजमेर से प्रकाशित।
संपादक एवं प्रकाशक # मुबारक खान मोबाइल 92148 39374 RNI Title Code : RAJBIL27060 Website : www.fatehexpress.in समस्त विवादों के लिए न्याय क्षेत्र अजमेर होगा।